#### पाठ-12 अविकारी शब्द (क्रिया विशेषण ) प्रस्तावना ,विश्लेषण





**CLASS: V** 

**SESSION NO: 21** 

**SUBJECT: HINDI** 

**CHAPTER NUMBER:12** 

TOPIC: क्रिया विशेषण

SUB TOPIC: प्रस्तावना, विश्लेषण

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org

Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316** 

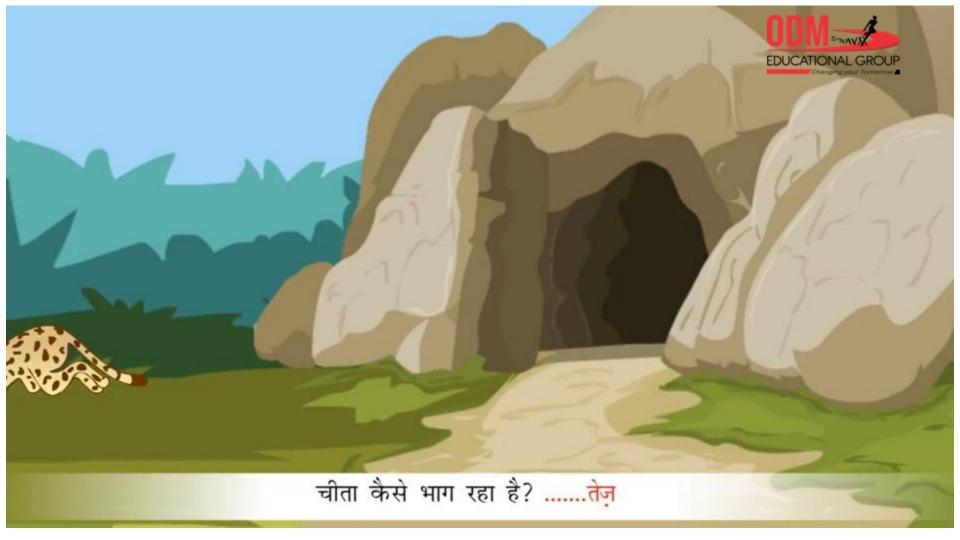
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar-751024

# शिक्षण उद्देश्य



#### क्रिया विशेषण तथा उसके भेद के बारे में बताना।









#### अब आप ध्यान दीजिए

प्रश्नों के उत्तर

बच्चे के चढ़ने का स्थान, सूरज के अस्त होने का काल (समय) तथा चीते के चलने का ढंग (रीति) अर्थात क्रिया की विशेषता बता रहे हैं।



क्रिया कब, कहाँ, कैसे और कितनी हो रही है, ये बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं।



## क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं

स्थानवाचक

कालवाचक

रीतिवाचक

परिमाणवाचक

## स्थानवाचक क्रियाविशेषण



ये क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के होने का स्थान बताते हैं, जैसे— ऊपर, नीचे, अंदर, बाहर, दूर, पास, दाएँ, बाएँ, सामने, पीछे आदि।

## कालवाचक क्रियाविशेषण



ये क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के होने का समय बताते हैं,

जैसे— कल, परसों, आज, अभी, सदा, जब, तब, हमेशा, रोज़ आदि।



#### रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ये शब्द क्रिया के होने का ढंग या रीति बताते हैं अर्थात क्रिया 'कैसे की जा रही है' या 'कैसे हो रही है' से संबंधित जानकारी देते हैं, जैसे— धीरे-धीरे, तेज़, ध्यान से, रोते-रोते, दौड़कर, अचानक, जल्दी आदि।



## परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

ये शब्द क्रिया की मात्रा या माप-तौल के संबंध में बताते हैं अर्थात क्रिया 'कितनी हुई' से संबंधित जानकारी देते हैं, जैसे— थोड़ी, आधा, ज्यादा, कम, लगभग, खूब, बहुत, अधिक, बिलकुल, इतना, उतना आदि।



# गृहकार्य

### प्रश्न-२ व्याकरण कॉपी में कीजिए।



# THANKING YOU ODM EDUCATIONAL GROUP